53 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या-25059/73 (79) | डाक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24

यह मुज़फ़्फ़रनगर है...

न्यूनतम 25.4°c अधिकतम 33.4 °c

अमृतवाणी

कोई कुछ भी बोले स्वयं को शांत रखो, क्योंकि धूप कितनी भी तेज हो समुद्र को नहीं सुखा सकती।

Web: muzaffarnagarbulletin.co.in

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606 संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

अखिलेश, राहुल, तेजस्वी की परिवारवादी तिकड़ी, फ्रस्टेशन का शिकार हैं : केशव प्रसाद मौर्य

वोटों ने इन्हें लूटा जनता ने नकारा है.... चर्चाओं में रहना ही जीवन का सहारा ...

सूर्योदय - 6:07, सूर्यास्त - 6:15 | वर्ष : 53/अंक : 262 | सोमवार, 22 सितम्बर 2025 | अश्विन, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा | सम्वत् 2082 | मूल्य : 3 रुपये | कुल पृष्ठ-4

आप सभी को नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं

mits®

Mits Group of Companies

भारत सरकार का धन्यवाद - आम जनता को राहत

नवरात्रों के पावन अवसर पर भारत सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

- दवाइयों व मेडिकल डिवाइस पर जीएसटी 12% व 18% से घटाकर केवल 5% कर दिया गया है।
- कई जीवन रक्षक दवाइयाँ अब पूरी तरह जीएसटी मुक्त होंगी।

इससे होगा लाभः-

- आम जनता को सस्ती दवाइयाँ
- गंभीर व पुरानी बीमारियों के मरीजों को राहत
- पुराना पैक किया हुआ माल बिना रि-लेबलिंग के 31 मार्च 2026 तक बिक सकेगा

मैं हृदय से भारत सरकार का आभार व्यक्त करता हूँ कि उन्होंने यह जनहितैषी निर्णय लिया है।

- साथ ही, मैं सभी वितरकों, थोक व खुदरा विक्रेताओं से अनुरोध करता हूँ कि जब तक नया पैक (नए MRP के साथ) बाजार में उपलब्ध नहीं हो जाता, तब तक पुराना Stock 6.25% कम MRP पर बेचें ताकि जनता को तुरंत इसका लाभ मिल सके ।

आइए हम सब मिलकर इस राहत को हर भारतीय तक पहुँचाएं।

स्वस्थ भारत - मजबूत भारत

Healthy India - Strong India

M.K. Bhatia

Chairman & Founder

53 वर्ष पुराना दैनिक समाचार पत्र | पंजीयक-पंजीयन संख्या-25059/73 (79) | डाक पंजीकरण संख्या UP/BR-195/2022-24

Web: muzaffarnagarbulletin.co.in

मुज़फ़्फ़रनगर बुलेटिन

सम्पर्क सूत्र : 9368549219, 8077929606 संस्थापक : स्व. उत्तम चन्द्र शर्मा रोजाना आपकी सुबह की चाय पर

वर्ष : 53/अंक : 262 सोमवार, 22 सितम्बर 2025 अश्विन, शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा सम्वत् 2082 मूल्य : 3 रुपये पृष्ठ-2

टायर पंचर की दुकान में अजगर निकलने से हड़कम्प

खतौली, 21 सितंबर (बु.)। निकटवर्ती गांव सठेड़ी में टायर पंचर की दुकान में अचानक अजगर के निकलने से लोगों में हड़कम्प मच गया। सूचना पर मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने अजगर को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। मिली जानकारी के अनुसार गांव सठेड़ी निवासी मोनू गंगनहर के निकट टायर पंचर की दुकान करता है। बताया जाता है कि सायंकाल मोनू अपनी दुकान के बाहर एक बाइक के टायर का पंचर लगा रहा था, इसी दौरान मोनू कोई औजार लेने के लिए जब दुकान के अंदर पहुंचा तो दुकान के अंदर घुसे अजगर पर जैसे ही उसकी नजर पड़ी तो उसके होश उड़ गए। अजगर से भयभीत मोनू ने दुकान से बाहर आकर शोर मचाया तो दुकान पर लोगों की भीड़ जमा हो गयी। बताया जाता है कि इस दौरान कुछ साहसी लोगों द्वारा अजगर को पकड़ने का प्रयास किया गया, परन्तु सफल नहीं हो पाए। तत्काल इसकी सूचना वन विभाग को दी गयी तो मौके पर वन विभाग की टीम पहुंची और लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद अजगर को पकड़कर एक बोरे में सुरक्षित बंद कर-के सुरक्षित स्थान पर छोड़ा गया, जिसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

वीडियो बनवाने के चक्कर में गले में डाला कोबरा, बना मौत का फंदा

मुजफ्फरनगर, 21 सितंबर (बु.)। कभी-कभी बेवजह की शेखी दिखाना जानलेवा भी साबित होता है, मगर इन बातों से सीख लेता ही कौन है, जिसे जो करना है, वह आज की दुनिया में करके ही रहता है। मुजफ्फरनगर के ही भोपा थाना क्षेत्र के मोरना में एक युवक को गले में कोबरा सांप डालना ऐसा भारी पड़ा कि कोबरा सांप युवक के गले की फांस बन गया और युवक ने कोबरा के डसने से दम तोड़ दिया। दरअसल आधुनिक युग में युवा सोशल मीडिया पर वायरल होने के लिए कुछ भी करने को तैयार बैठे हैं, बस फेसबुक, इंस्टाग्राम पर अपनी विवर्स बढ़ने चाहिएं मगर कभी-कभी ये बातें जानलेवा साबित हो जाती हैं और इसका साक्षात्कार उदाहरण मोरना से सामने आया है। बताया जाता है कि टिंकू उर्फ मोहित सांप पकड़ने के लिए पड़ौसी के घर गया था। वहां टिंकू ने कोबरा सांप का रेस्क्यू किया फिर उसे गले में डालकर वीडियो बनाने लगा। युवक कोबरा को बार-बार हवा में झुला रहा था, इसी बीच कोबरा ने उसके गले और हाथ पर डस लिया। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो कोबरा ने उसे दो बार डसा मगर टिंकू को इसलिए आभास नहीं हुआ, क्योंकि टिंकू नशे की हालत में

प्रतीत हो रहा था। बाद में टिंकू सांप को बोरी में भरकर अपने घर चला गया। करीब ढाई घंटे बाद जब उसकी हालत बिगड़ी तो परिजनों में हड़कम्प मच गया और आनन-फानन में उसे जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस बात की सूचना जब पुलिस को लगी तो पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। वहीं टिंकू के घर से ही मिले सांप को अपनी सुपुर्दगी में लेकर जंगल में छोड़ दिया गया। टिंकू की मौत के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और परिजन भोपा थाना पहुंचे और आरोप लगाया कि दो पड़ौसी टिंकू को जबरदस्ती बहला फुसलाकर अपने साथ ले गए थे। परिजनों का यह भी आरोप है कि जब टिंकू को सांप ने डसा तो किसी ने भी इस बात पर ध्यान नहीं दिया। न तो उसे चिकित्सालय ले जाया गया और न ही किसी अन्य प्रकार से उसे बचाने का प्रयास किया गया। फिलहाल परिजनों ने गांव के ही दो लोगों पर आरोप लगाया है। टिंकू के पिता शादीराम का कहना है कि शनिवार की शाम जब वह मजदूरी करके लौटा तभी पड़ौस में सांप निकलने की बात उसे पता चली। पिता ने टिंकू को जाने से रोका मगर फिर भी वह सांप पकड़ने के लिए चला गया। टिंकू की मौत के बाद उसकी माता मुकेश, भाई अमित, रोहित व बहन शिवानी का रो-रोकर बुरा हाल है। टिंकू की मौत के बाद कोबरा को गले में डालने व उसे हवा में लहराने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

डॉक्टर बोले 30 मिनट के अंदर एन्टी वेनम दे दिया जाए तो बच सकती है सर्पदंश से जान

मुजफ्फरनगर। टिंकू की मौत के बाद जब डॉक्टरों ने जानकारी ली गयी तो उन्होंने बताया कि आमतौर पर कोबरा सांप के काटने के बाद 2-3 घंटे के अंदर व्यक्ति की मौत हो जाती है। मगर 30 मिनट के अंदर-अंदर यदि व्यक्ति को एंटी वेनम दे दिया जाए तो उसकी जान बचाई जा सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि टिंकू के ढाई घंटे तक पता ही नहीं चल पाया कि उसे सांप ने काट लिया है। इसी लापरवाही में उसकी जान चली गयी।

2 अक्टूबर के बाद से बिना फिटनेस और बिना निर्धारित रूट वाली ई-रिक्शाएं होंगी सीज

ई-रिक्शा चालक आज करें पुलिस लाइन में आवेदन

मुजफ्फरनगर, 21 सितंबर (बु.)। यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए यातायात पुलिस ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। यातायात पुलिस द्वारा सभी ई-रिक्शा चालकों को सूचित किया गया है कि केवल वही ई-रिक्शा शहर में निर्धारित रूट पर चल सकेंगी, जिनकी फिटनेस वैध है। यातायात पुलिस द्वारा मान्य फिटनेस वाली ई-रिक्शा के लिए रूट निर्धारित किए जाएंगे। इससे शहर में यातायात का दबाव कम होगा और व्यवस्था बेहतर होगी। इस प्रक्रिया के लिए, यातायात पुलिस ने ई-रिक्शा चालकों से 21 सितंबर 2025 और 22 सितंबर 2025 यानि दो दिन तक ही आवेदन स्वीकार करने की घोषणा की है। चालकों को जल्द से जल्द अपने ई-रिक्शा के वैध कागजात के साथ यातायात कार्यालय, रिजर्व पुलिस लाइन, मुजफ्फरनगर में संपर्क करने के लिए कहा गया है। यातायात पुलिस ने यह भी स्पष्ट किया है कि 2 अक्टूबर के बाद से बिना फिटनेस और बिना निर्धारित रूट वाली कोई भी ई-रिक्शा नगरपालिका क्षेत्र में नहीं चल पाएगी। यह कदम शहर की यातायात व्यवस्था को और अधिक अनुशासित और सुरक्षित बनाने के लिए उठाया गया है। यातायात पुलिस ने ई रिक्शा चालकों से यह भी अनुरोध किया है कि वे इस सूचना को गंभीरता से लें और समय रहते सभी आवश्यक कार्यवाही पूरी करें, ताकि उन्हें भविष्य में किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े।

—प्रेस विज्ञप्तिः—

जनहित में जारी

जनपद मुजफ्फरनगर के सभी ई-रिक्शा चालकों को सूचित किया जाता है कि जिनकी ई-रिक्शा की फिटनेस वैध है, वह रूट प्राप्त करने के लिए अपना आवेदन दिनांक 21.09.25 एवं 22.09.25 तक अवश्य यातायात कार्यालय, रिजर्व पुलिस लाइन, मुजफ्फरनगर पर कर ले। दिनांक 02.10.25 के बाद बिना फिटनेस और बिना रूट वाली ई-रिक्शा शहर के नगरपालिका क्षेत्र में नही चला पाऐगें।

यातायात पुलिस
मुजफ्फरनगर

तालाब में पड़ी मिली लाश बहादराबाद निवासी की निकली

मुजफ्फरनगर, 21 सितंबर (बु.)। थाना सिविल लाइन क्षेत्र के मौहल्ला इन्द्राकॉलोनी में रविवार को दिन निकलते ही एक युवक की लाश एक तालाब में तैरती दिखाई दी। घंटों तक युवक की लाश की पहचान नहीं हो पायी, मगर बाद में पुलिस को सूचना मिली कि उक्त युवक अंकुर पाल पुत्र जयवीर बहादराबाद, हरिद्वार का निवासी है और यहां अपने मामा के यहां 19 सितम्बर को आया था। मामा नरेन्द्र पुत्र श्याम लाल सरवट पीर के पीछे इन्द्रा कॉलोनी के रहने वाले हैं। सूत्रों की मानें तो उक्त युवक नशेड़ी किस्म का व्यक्ति था और सूखा नशा करने का आदी था। फिलहाल पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। युवक तालाब में कैसे गिरा इसकी अभी पूरी जानकारी हासिल नहीं हो पायी है, मगर माना जा रहा है कि नशे के कारण ही युवक तालाब में गिर गया।

डेढ़ घंटे तक हाइवे पर जाम में फंसे रहे पर्यटक

नवरात्रे शुरू होते ही और रविवार के चलते हाइवे पर लगभग तीन किलोमीटर लम्बे जाम में फंसे दिखे लोग

हाइवे की एक साइड चल रहा था सड़क मरम्मत का कार्य, इसके चलते भी दूभर हुआ सफर

मुजफ्फरनगर, 21 सितंबर (बु.)। देहरादून-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर चल रहे मरम्मत के काम के कारण आज भीषण जाम लग गया, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बताया जा रहा है कि बारिश का मौसम खत्म होने और त्योहारों की शुरूआत के साथ ही घूमने के लिए निकले लोगों की बढ़ती संख्या भी इस जाम की एक बड़ी वजह है। राजमार्ग के कई हिस्सों में सड़क मरम्मत का काम चल रहा है, जिसकी वजह से ट्रैफिक को एक ही लेन में चलाया जा रहा है। इससे गाड़ियों की रफ्तार बहुत धीमी हो गई और कुछ ही देर में कई किलोमीटर लंबी कतारें लग गईं। वीकेंड

होने के कारण दिल्ली और आसपास के इलाकों से देहरादून आने वाले पर्यटकों की संख्या भी काफी ज्यादा थी, जिसने स्थिति को और भी खराब कर दिया। ट्रैफिक पुलिस ने जाम को नियंत्रित करने की कोशिश की, लेकिन गाड़ियों की भारी भीड़ के सामने उनकी कोशिशें नाकाफी साबित हुईं। घंटों तक लोग जाम में फंसे रहे, जिससे उनके यात्रा कार्यक्रम में देरी हुई। कई यात्रियों ने सोशल मीडिया पर अपनी परेशानी साझा करते हुए प्रशासन से इस समस्या का जल्द समाधान करने की अपील की है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे यात्रा करने से पहले ट्रैफिक की स्थिति की जानकारी ले लें और वैकल्पिक मार्गों का

इस्तेमाल करें। साथ ही, मरम्मत कार्य को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं ताकि भविष्य में इस तरह की समस्या से बचा जा सके।

मां दुर्गा की प्रथम शक्ति

।। शैलपुत्री ।।

वन्दे वाञ्छितलाभाय चन्द्रार्धकृतशेखराम।
वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम्।।

शेष : पृष्ठ-4 पर

दिल्ली की पूजा को फिरोज भाईजान ने बना लिया बहन, 2.90 लाख का लगाया चूना

मुजफ्फरनगर, 21 सितंबर (बु.)। यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है कि किसी भाईजान ने पहले भावनाओं में बांधकर किसी हिन्दू महिला को बहन बनाया हो और उसके बाद उससे लूट - खसोट न की हो। ऐसा ही एक मामला मुजफ्फरनगर के सदर बाजार से सामने आया है। सदर बाजार में यूनिक फैशन के नाम से रेडीमेड गारमेंट्स का कारोबार करने वाला व्यक्ति होमी दिल्ली टैंक रोड से खरीदारी के लिए जाता था, जहां रेडीमेड कपड़ों की निर्माता पूजा खरबंदा से उसने व्यापार करना शुरू किया। भाईजान फिरोज ने अपनी मीठी-मीठी बातों में लेकर पूजा खरबंदा को राखी बांधने के लिए कहा। पूजा खरबंदा ने भावनाओं में आकर फिरोज को अपना भाई मान लिया और उससे रिश्ता निभाती हुई उसे 2.90 लाख का उधार दे बैठी। बस इतना करने की देरी थी और जैसा कि व्यापार का नियम है उधार दिया और ग्राहक गायब। ठीक वैसा ही हुआ। भाई-बहन के रिश्ते को तार-तार कर भाईजान फिरोज ने 2.90 लाख का माल आने के बाद से दो चार बार फोन उठाया और उसके बाद फोन उठाना ही बंद कर दिया। लगभग तीन साल बाद थक-हारकर आज पूजा खरबंदा अपने परिवार के साथ पहुंची तो फिरोज अपनी दुकान से नौ दो ग्यारह हो गया। पूजा ने पुलिस को सूचना दी तो पुलिस ने बताया चूंकि मामला दिल्ली का है, इसलिए उन्हें रिपोर्ट दिल्ली ही दर्ज करानी होगी। इसी बीच बुलेटिन टीम वहां पहुंची तो पुलिसकर्मी मदद को तैयार हो गए और फिरोज के बेटे को थाने ले जाया गया।

गर्भवती होने के बावजूद भी भाईजान के पास पेमेंट लेने के लिए आई पूजा

मुजफ्फरनगर। होमी दिल्ली के टैंक रोड में रेडीमेड गारमेंट्स की निर्माता पूजा ने भावनाओं में आकर फिरोज से भाई बहन का रिश्ता तो बना लिया मगर 2.90 लाख रुपये उधार देने के बाद हालात ये पैदा हो गए कि भाई-बहन का रिश्ता तो दूर प्रेग्नेंसी की हालत में भी पूजा को अपने पैसे लेने के लिए दिल्ली से चलकर यहां आना पड़ा, और आने के बावजूद भी खुद फिरोज दुकान से गायब मिला और बात अब थाने तक जा पहुंची है।

नगरपालिका कर रही है डेयरियों पर कार्रवाई, जबकि वार्ड नंबर-24 में लगे गोबर के ढेर

स्टेडियम रोड पर खुले में फेंका जा रहा है कूड़ा और गोबर, कहां है प्रशासन

मुजफ्फरनगर, 21 सितंबर (बु.)। मानव संरचना एक सभ्य समाज पर आधारित है। ऐसे में हमारे संस्कार ही हमें सभ्य बनने के लिये प्रेरित करते हैं, लेकिन आज के इस समय में जब हम ही नहीं सुधर सकते हैं, तो हम अपने बच्चों और आने वाली पीढ़ी को क्या सुधारेंगे। एक ओर देश के प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत अभियान का संदेश अपने हर भाषण में देते हैं और उनकी सरकार के नेता भी इसकी शपथ लेते हैं, परंतु लगता है जैसे ही सत्ता पक्ष के यह नेता यह शपथ लेकर बाहर निकलते हैं, तो उस शपथ को भी भूल जाते हैं। इसे देश का दुर्भाग्य ही कह सकते हैं कि एक जगह से चोरी का रास्ता सरकार बंद करती है, तो हम सुधरने के बजाय चोरी के दूसरे रास्ते की तलाश में लग जाते हैं। जब प्रशासन हमारी सुविधा के लिये कोई नीति तय करता है, तो हमें प्रशासन के नियमों का पालन करना चाहिये। हम नियमों का पालन करने के बजाय उसे तोड़ने के दूसरे विकल्प ढूंढने लगते हैं। ऐसे में एक बात साफ है कि जब हम खुद ही सुधरना नहीं चाहते हैं तो जनप्रतिनिधि कहां से हमें सुधरे हुए मिलेंगे, जब हम खुद नियमों को तोड़ते हैं, तो हम अपने बच्चों को कैसे सुधार सकते हैं? हमारे जनप्रतिनिधि नेता कैसे भ्रष्टाचार मुक्त हो सकते हैं? हम जैसे होंगे हमें जनप्रतिनिधि भी वैसा ही मिलेगा। हम छोटे स्तर पर भ्रष्टाचार करेंगे और जनप्रतिनिधि का स्तर थोड़ा बड़ा होगा। वो बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार करने के रास्ते तलाश करेगा। हम ऐसा क्यों कह रहे हैं, अब इस मुद्दे पर आते हैं। हम बात कर रहे हैं मुजफ्फरनगर नगर पालिका के वार्ड नंबर-24 के स्टेडियम मार्ग की, जहां लोग खुलेआम कूड़ा-करकट खुले में फेंक रहे हैं। स्टेडियम मार्ग से जैसे ही आप नुमाइश कैंप में दाखिल होंगे, तो आपका स्वागत सबसे पहले कूड़े के ढेर से होगा।

रिहायशी एरिया के गेट पर आपको कूड़े का ढेर मिलेगा, जिसे कुत्ते नोच रहे होते हैं। इस कूड़े में स्थानीय लोग पॉलीथीनों में खाने के अवशेष फेंकते हैं। नगर पालिका की गाड़ी रोज सुबह हर घर से कूड़ा उठाती है। जब नगर पालिका ने यह सुविधा दे रखी है, तो खुले में कूड़ा फेंकने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल पैदा होता है कि जनता के ऊपर जब तक नगरपालिका के अधिकारी सभी को सही निर्देश नहीं देंगे, तब तक कैसे कोई नगर पालिका के नियमों का कोई पालन करेगा? वहीं दूसरी तरफ पहले से ही बुलेटिन के माध्यम से आपको बताया जा चुका है कि गोबर नालियों में बहाने के मामले में नगर पालिका के स्वास्थ्य विभाग ने कड़ा रवैया अपना रखा है। स्वास्थ्य विभाग पहले से ही 200 से ज्यादा दूध की डेयरियों को नोटिस जारी कर चुका है। इन डेयरियों की शिकायत मिली थी कि यह खुले में गोबर को फेंकते हैं या नालियों में बहा देते हैं, लेकिन इस मामले में बुलेटिन संवाददाता ने जब वार्ड नंबर-24 के स्टेडियम रोड को देखा तो पता चला कि यहां कूड़े के साथ गोबर का भी ढ़ेर लगा हुआ है। ऐसे में सवाल यह है कि क्या अधिकारियों और नेताओं की निगाह इस गोबर के ढेर पर नहीं पड़ी होगी। यह पहली बार तो हुआ नहीं होगा कि यहां गोबर का ढ़ेर या कूड़े का ढ़ेर लगा हो, ऐसा पहले भी कई बार हो चुका है। इससे सबसे बड़ी दिक्कत का सामना इस कूड़े के ढेर के आसपास के रहने वाले लोग कर रहे हैं। ऐसे में जो नेता और अधिकारी जनता की सेवा के लिये होते हैं, उन्हीं की नाक के नीचे ऐसे सफाई की धज्जियां उड़ रही हों, तो फिर तो जनता का भगवान ही मालिक है।

1973-2025

सम्पादक की क़लम से

प्रधानमन्त्री का सम्बोधन और विपक्ष

कल शाम प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने जीएसटी रिफॉर्म और भारत की ग्रोथ की बात कही। पूरे देश ने प्रधानमन्त्री की बातों को गौर से सुना। जैसा कि होता आया है और होना ही था, कांग्रेस और विपक्षी नेताओं ने उनके भाषण को अपने अर्थ में लिया। प्रधानमन्त्री ने कल कहा कि 22 सितंबर को सूर्योदय के साथ ही जीएसटी बचत उत्सव शुरू हो जाएगा। इसका लाभ सभी वर्गों को होगा। 2014 में जब देश ने मुझे पीएम बनाया, तब एक विदेशी अखबार में एक कंपनी की मुश्किलों का जिक्र था। कम्पनी ने कहा था कि अगर उसे बेंगलुरु से 570 किमी दूर हैदराबाद सामान भेजना हो तो वो इतना कठिन था कि वो बेंगलुरु से यूरोप और वहां से हैदराबाद भेजना ज्यादा आसान लगता था। ये टैक्स के जंजाल के हालात थे, तब ऐसी लाखों कंपनियों को अलग-अलग तरह के टैक्स के जाल से परेशानी होती थी। सामान को एक शहर से दूसरे शहर तक पहुंचने के बीच जो खर्च बढ़ता था, वो गरीब उठाता था। 2017 में भारत ने जब जीएसटी शुरू किया, तब एक नया इतिहास रचने की शुरूआत हुई थी। दशकों तक हमारे देश की जनता अलग-अलग टैक्स के जाल में उलझी हुई थी। दर्जनों टैक्स देश में थे। एक शहर से दूसरे शहर तक माल भेजना हो, तो न जाने कितने चेकपोस्ट पार करने होते थे, कितनी रुकावटें होती थी। हर जगह टैक्स के नियम अलग थे। देश के गरीब, मध्यमवर्गीय, न्यू मिडिल क्लास, युवा किसान, महिलाएं और व्यापारी को बचत उत्सव का फायदा होगा। त्योहार के इस मौसम में सभी का मुंह मीठा होगा। मैं देश के कोटि-कोटि परिवारजनों को इस बचत उत्सव की बधाई देता हूं। ये रिफॉर्म भारत की ग्रोथ स्टोरी को बढ़ाएंगे। कारोबार को आसान बनाएंगे, निवेश का आर्कषक बनाएंगे। हर राज्य को विकास की दौड़ में बराबरी का साथी बनाएंगे। मोदी बोले, कल यानी आज से नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी लागू हो जाएंगे। नवरात्रि के पहले दिन से देश आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए एक बड़ा कदम उठा रहा है। कल 22 सितंबर को सूर्योदय के साथ ही नेक्स्ट जनरेशन जीएसटी लागू हो जाएंगे। एक तरह से कल से देश में जीएसटी बचत उत्सव शुरू होने जा रहा है। जीएसटी उत्सव में आपकी बचत बढ़ेगी और आप अपनी पंसद की चीजें खरीद पाएंगे। प्रधानमन्त्री ने कहा कि मुझे इस बात की खुशी है कि दुकानदार भाई-बहन जीएसटी बदलाव से उत्साह में है। वो इसे कस्टमर तक पहुंचाने में जुटे हैं। हम नागरिक देवो भवः के जिस मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। नए जीएसटी में इसकी झलक दिखती है। अगर हम इनकम टैक्स और जीएसटी छूट को जोड़ दें, तो देश के लोगों को 2.5 लाख करोड़ से ज्यादा की बचत होगी। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पूछा कि क्या प्रधानमन्त्री मोदी भारत-अमेरिका के बीच बढ़ते तनावपूर्ण संबंधों पर खुलकर बात करेंगे? क्या वे लाखों एच-1=बी वीजा धारकों की चिंताओं को संबोधित करेंगे? क्या वे उन करोड़ों किसानों और मजदूरों को कुछ आश्वासन देंगे, जिनकी आजीविका उनके अच्छे मित्र के लगाए गए टैरिफ के कारण खतरे में है? या क्या वे केवल नयी जीएसटी दरों की जानकारी दोहराएंगे, जो हताशा में बनाई गई थीं और अब लागू हो रही हैं? पीएम मोदी ने जीएसटी सुधारों पर ही बात की। हाल ही में सरकार ने जीएसटी 2.0 के तहत कई उत्पादों पर जीएसटी की दरों में कमी की है। अब सिर्फ 2 जीएसटी स्लैब 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत ही रखे गए हैं, जबकि 12 फीसदी और 28 फीसदी टैक्स स्लैब को खत्म कर दिया गया है। इसमें सोचने वाली बात यह भी है कि 12 प्रतिशत वाले रेडीमेड कपड़े, लहंगा, लाँचा और जूते जिनकी कीमत 2500 से अधिक है, उन पर 12 प्रतिशत से टैक्स घट कर 5 प्रतिशत नहीं हुआ जैसा कि सुनने में अनुमान लगाया गया था कि टैक्स 12 प्रतिशत समाप्त कर दिया, तो 5 प्रतिशत हो गया होगा, लेकिन इन चीजों पर 12 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत हो गया, इससे व्यापारी वर्ग चिंतित है। प्रधानमन्त्री ने तो जीएसटी रिफॉर्म से भारत की ग्रोथ की बात की और राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव अपनी ही दुनिया में हैं। राहुल गांधी हाइड्रोजन बम बना रहें है, अखिलेश यादव रोज भाजपा की कमियाँ बताते हैं, तेजस्वी यादव बिहार का मुख्यमन्त्री बनने का सपना बुन रहे हैं। पूर्व कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी दुनिया को चोर कहते हैं, लेकिन सच्चाई ये है कि सबसे बड़े चोर उनकी पार्टी ही में हैं। इतनी चोरियाँ हो रही हैं, जिनका हिसाब नहीं है, जहाँ तक उनके नए एजेंडे की बात है, देश के युवाओं ने दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में एबीवीपी को वोट देकर उन्हें जवाब दे दिया है। इस बीच उन्होंने कहा कि राहुल गांधी कितनी बार हारेंगे। 55 साल, 56 साल के हो गए हैं। मुझसे दो-तीन साल छोटे हैं। अब समझ आ जाना चाहिए, भगवान उन्हें सद्बुद्धि दे। बड़े-बड़े मंदबुद्धि इंसान देखे हैं, जिसमें समझने की सद्बुद्धि आ जाती है, लेकिन वह समझने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने इसके आगे कहा कि जिस युवा को वो नेपाल और बांग्लादेश जैसे हालात बनाने के लिए उकसा रहे हैं, उसी युवा ने डूसू चुनाव में भाजपा और एबीवीपी को अपार समर्थन दिया है। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ने भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी को कंफ्यूज्ड नेता बताते हुए कहा कि उन्हें खुद नहीं पता कि वे क्या करना चाहते हैं और कहां खड़े हैं। यही उनकी सबसे बड़ी कमजोरी है, उन्होंने समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पर भी निशाना साधा और कहा कि उनकी सरकार में जंगलराज था। माफिया और गुंडे बेलगाम थे, बीजेपी सरकार ने कानून का राज कायम किया और अपराधियों को या तो जेल में डाला या प्रदेश से भगाया। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने नेता पुत्रों पर एक साथ निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा का भविष्य अंधकार में है और यह पार्टी डूबता जहाज है। 2047 तक यूपी में सपा और देश में कांग्रेस समाप्त हो जाएगी। ऐसा ही हाल बिहार में राष्ट्रीय जनता दल का भी होने वाला है। अखिलेश यादव, राहुल गांधी और तेजस्वी की परिवारवादी तिकड़ी है। यह सभी फ्रस्टेशन का शिकार हैं। तनाव और अवसाद में हैं। केशव मौर्य ने कहा कि सही कहें तो आगरा में इनके इलाज की व्यवस्था है, लेकिन मैं नहीं चाहूंगा कि उनको इलाज के लिए यहां आना पड़े। मैं यही अपेक्षा करूंगा कि वे स्वस्थ्य रहें, लेकिन सत्ता में आने का ख्वाब न देखें, यह उनके लिए मुंगेरीलाल का सपना बन गया है।

चार तीर

सुनील उत्सव

'खुश' 'वक़्त' 'जिन्दगी' 'तौर'

जो मिला है उसको ही काफी समझ कर खुश रहो,
वक़्त से राजी है जो उसको कमी खलती नहीं।
आप ही को चलना होगा जिन्दगी के तौर पर,
आपकी शर्तों पे हरगिज जिन्दगी चलती नहीं।

दिनभर माता की सुन्दर प्रतिमाओं की खरीददारी की रही धूम

पितरों की विदाई के साथ दिन भर होती रही नवरात्र महोत्सव के स्वागत की तैयारी

- डल्लू देवता मंदिर में सुबह से लगने लगी थी भक्तों की भीड़ - घर-परिवारों में पितरों के तर्पण के साथ संपन्न हुआ अमावस्या पूजन - पूजन सामग्री की जमकर हुई खरीदारी

मुजफ्फरनगर, 21 सितम्बर (बु.)। देव पितृ अमावस्या पूजन अर्चना के साथ ही पितृ पक्ष की समाप्ति और शारदीय नवरात्र का सोमवार से शुभारंभ होने जा रहा है। इससे पूर्व रविवार को देशभर के साथ जनपद में पितृ विसर्जन अमावस्या पर पितरों की विदाई और नवरात्र पर मां दुर्गा के स्वागत की तैयारी में सनातन संस्कृति से जुड़े तमाम परिवारों में व्यस्तता देखने को मिली। इस दौरान घरों से मंदिरों तक नवरात्र की तैयारियों में घर की महिलाएं, बच्चे एवं पुरुष लगे रहे। वहीं रविवार को सनातन धर्म से जुड़े परिवारों में बीते 15 दिनों से चल रहे पितृ पक्ष की विदाई को सक्रियता दिखाई दी। रविवार को शामली रोड स्थित डल्लू देवता पर पितृ पक्ष अमावस्या पर दिन निकलने के साथ पूजन-अर्चन करने और पितरों की इस बीच प्रसन्नता पूर्वक विदाई को लेकर कार्यक्रम प्रारंभ होने लगे। इस दौरान डल्लू देवता के मंदिर के साथ-साथ पास ही बनाए गए देवताओं के थानों पर पूजन करने का कार्यक्रम जारी रहा। अभियान के बीच मंदिर परिसर में देवताओं की पूजा करने के साथ में आलू-पूरी, खीर और प्रसाद के रूप में अन्य सामग्री का भोग लगाने के साथ दूध, घी एवं अन्य सामग्री के साथ वस्त्र आदि का पंडितों आदि को दान स्वरूप दिए जाने का क्रम जारी रहा। इस दौरान मंदिर परिसर में भक्तों का मेला सा लगा रहा। उधर, रविवार को घर-परिवारों में पितरों की विदाई को लेकर सुबह से ही चहल-पहल होने के साथ पकवान आदि बनाने का क्रम जारी रहा। इस दौरान घरों में पंडितों की ओर से पितरों का तर्पण किए जाने के साथ ही भूले-बिसरों का नाम लेकर उनकी याद में भोजन, प्रसाद व दक्षिणा आदि देकर पितृ पक्ष अमावस्या की विदाई की गई। दोपहर तक चले अमावस्या पर्व की भागदौड़ के बाद सायं को अधिकांश घरों में नवरात्र महोत्सव के स्वागत की तैयारियों के बीच घरों में साफ सफाई के साथ श्री दुर्गा माता के सांझी स्वरूप की स्थापना की गई। इस दौरान घरों की महिलाओं द्वारा पूजा स्थल की सफाई आदि के साथ सांझी की स्थापना की गई। दूसरी ओर रविवार सायं को गली-मौहल्लों के साथ अधिकांश बाजारों में नवरात्र महोत्सव के आगाज के साथ पूजा सामग्री की खरीदारी होती रही। इस दौरान बाजारों में पूजन सामग्री के साथ फल-फूल और मेवाओं के साथ अन्य जरूरी सामान की खरीदारी देर रात्रि तक होती रही। नवरात्र महोत्सव की दस्तक के बीच बाजारों में फलों के साथ फूलों के मूल्य में बढ़ोतरी देखी गई। इस दौरान गेंदे के फूल की माला जहां 25 से 30 रुपए में बिकती दिखाई दी, वहीं गेंदा 150 रुपए और गुलाब के फूल 300 रुपए और उससे अधिक कीमत पर बिके। वहीं दूसरी ओर देसी घी 600 रुपए किलो से लेकर 800 रुपये किलो, माता की चुनरी पांच रुपये से लेकर 200 तक और कुट्टू का आटा 120 रुपये से 160 रुपए किलो और सिंघाड़ा का आटा 140 रुपए से लेकर 200 रुपए किलो तक बाजारों में खूब बिका।

शिवपाल यादव के आने पर 2 गुटों में बंटी सपा

बुढ़ाना, 21 सितम्बर (बु.)। रविवार के दिन समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव बुढ़ाना क्षेत्र के गांव गढ़ी सखावतपुर सहित कई जगहों पर पहुंचे। जहां पर उनका समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रमोद त्यागी के नेतृत्व में कार और बाइकों पर सवार सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। यहां पर प्रमोद त्यागी के सभी समर्थकों ने शिवपाल यादव, अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी जिंदाबाद व मुलायम सिंह यादव अमर रहे के नारे गर्मजोशी से लगाए। दूसरी ओर सपा शिवपाल यादव के आगमन पर यहां सपा दो गुटों में बंटी नजर आई। ऐसा जिले के एक सबसे वरिष्ठ पदाधिकारी के कारण हुआ, इसको लेकर गली गलियारों में जोरदार चर्चा फैली है। पूर्व की भांति इस बार भी पहल करते हुए वे बुढ़ाना क्षेत्र में प्रमोद त्यागी के समर्थकों को नजर अंदाज करते हुए शिवपाल यादव का स्वागत बायवाला चेक पोस्ट पर खड़े होकर अपने चुनिंदा समर्थकों के साथ करके गुटबाजी को पूरी हवा देने का काम कर गये, तो प्रमोद त्यागी के समर्थक भी कम नहीं निकले, उन्होंने भी सपा के इस पदाधिकारी से भी बड़ा काफिला प्रमोद त्यागी को दिखाकर प्रमोद त्यागी का कद शिवपाल यादव की नजरों में भी ऊंचा कर दिया। पूर्व सांसद कादिर राणा और सपा के कद्दावर नेता अब्दुल्ला राणा भी प्रमोद त्यागी के साथ में खड़े दिखाई दिए। हालांकि प्रमोद त्यागी ने गुटबाजी से साफ इंकार किया है, लेकिन चर्चा जो चली है, वह यही है कि इस पदाधिकारी का रवैया बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र के सपा कार्यकर्ताओं के लिए सही नहीं है। वे सिर्फ बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र में अगर हैं तो सिर्फ अपनी बिरादरी के लिए ही हैं, अन्य अपनी गैर जाति के सपा कार्यकर्ताओं से उनको कोई भी मतलब नहीं है और ये आज दिखाई भी दिया। उधर प्रमोद त्यागी के नेतृत्व में बुढ़ाना कस्बे का कुरैशी समाज भी शिवपाल यादव के स्वागत में भारी संख्या में दिखाई दिया। कुल मिलाकर अगर इसी तरह से दो गुट बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र में रहे, तो सपा का विधायक पद का जो भी उम्मीदवार यहां पर घोषित होगा, वो कैसे सीट निकाल पाएगा, यह सोचने वाली बात है। इस गुटबाजी के बारे में जब सपा जिला अध्यक्ष से बात करनी चाही, तो उनसे संपर्क नहीं हो सका।

गीता प्रेस पुस्तक केन्द्र
सभी धार्मिक पुस्तक मिलने का एकमात्र स्थान, स्वामी रामकृष्ण परमहंस, अखण्डानंद, शिवानन्द, माँ शारदा, विवेकानन्द, ओशो, वेन्कटेश्वर प्रेस, चौखम्बा, वेद, पुराण, उपनिषद, सभी पूजापाठ की सामग्री, भगवान के वस्त्र, राशि के रत्न, मूर्तियाँ, गीता भवन की आयुर्वैदिक दवाईयाँ-हार्ट, शुगर, गुप्त रोग। सभी प्रकार की मूर्तियाँ जैसे-अष्टधातु मूर्तियाँ, पीतल की मूर्तियाँ, मार्बल डस्ट की मूर्तियाँ उपलब्ध हैं।
जन्म कुण्डली निःशुल्क दिखायें (केवल पुस्तक भण्डार पर)
71-सी, नई मण्डी, मुजफ्फरनगर M.:9412211970, 9389390762

सर्राफ को लूटने वाला ईनामी लुटेरा मुठभेड़ में जख्मी

- लूटी गयी ज्वैलरी, तमंचा-कारतूस हुआ बरामद

बुढ़ाना, 21 सितम्बर (बु.)। एक सप्ताह पूर्व सर्राफा व्यापारी दादा-पौत्र को अपने 02 अन्य साथियों के साथ तमंचे के बल पर लूटने वाला तीसरा लुटेरा भी बुढ़ाना पुलिस ने आज रविवार की दोपहर एक मुठभेड़ के जरिए गोली मारकर दबोच लिया। 05 दिन पूर्व ही इस घायल लुटेरे के दोनों साथी भी पुलिस ने एक मुठभेड़ में पकड़कर जेल भेज दिए थे। बताया जाता है कि एक सप्ताह पूर्व दादा पौत्र सर्राफा व्यापारी को 03 तमंचेधारी लुटेरों ने उस समय लूट लिया था, जब वे दोनों बुढ़ाना से अपनी दुकान पर गांव हबीबपुर सीकरी जा रहे थे। मौके पर एसएसपी संजय कुमार यादव भी आए थे और बुढ़ाना सीओ गजेंद्र पाल सिंह को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए थे, जिसमें पुलिस ने पांच दिन पहले ही 02 लुटेरों को मुठभेड़ में दबोचकर लूट का कुछ माल बरामद किया था। इनमें एक बदमाश पुलिस की गोली से जख्मी भी हुआ था, जबकि तीसरा लुटेरा फरार हो गया था। पुलिस ने फरार तीसरे लुटेरे को भी आज पकड़ लिया। पुलिस मुठभेड़ में तीसरा लुटेरा भी जख्मी हुआ है, जिसने अपना नाम पुलिस टीम को शादाब बताया है। पुलिस ने इसके पास से अवैध तमंचा, कारतूस, खोखा व लूटी गयी कुछ चांदी भी बरामद की है। फरार लुटेरे पर पुलिस ने 20 हजार रुपये का इनाम रखा था। लुटेरे को सीएचसी भेजा गया है। गौरतलब है कि लूट का खुलासा होने पर सर्राफ समाज ने सीओ गजेंद्र पाल सिंह और कोतवाल सुभाष अत्री को सम्मानित कर इस बड़ी लूट के खुलासे पर संतुष्टि जाहिर की थी।

नई मंडी रामलीला के 99वें महोत्सव का हुआ भव्य उद्घाटन

मुजफ्फरनगर, 21 सितम्बर (बु.)। श्री रामलीला कमेटी नई मंडी के तत्वावधान में बीती रात्रि श्री रामलीला भवन नई मंडी में 99वां श्री रामलीला महोत्सव का शुभारंभ विधि विधान के साथ प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी एवं उद्यमी निरंकार स्वरूप व कौस्तुभ स्वरूप डायरेक्टर टिकोला शुगर मिल ने पूजा अर्चना व दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान जय श्रीराम के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज उठा। मुख्य अतिथि निरंकार स्वरूप ने अपने संबोधन में कहा कि हम सबको मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम के आदर्शों पर सदैव चलना चाहिए। उन्होंने नई मंडी रामलीला कमेटी के अध्यक्ष संजय मित्तल, मंत्री अशोक गर्ग, कोषाध्यक्ष आदित्य भरतिया व उनकी पूरी टीम को श्री रामलीला के मंचन को 99 वर्ष होने पर बधाई दी। उद्घाटन अवसर पर सनी जैन भी अपनी धर्मपत्नी सहित उपस्थित रहे, जिन्हें श्री रामलीला का प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया। नई मंडी श्री रामलीला कमेटी के अध्यक्ष संजय मित्तल ने इस दौरान बताया कि इस वर्ष श्री रामलीला का मंचन बहुत उच्च कोटि के कलाकारों द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने सभी भक्तजनों से निवेदन किया कि अधिक से अधिक संख्या में रामलीला का मंचन देखने अवश्य आए। श्री रामलीला कमेटी सभी आने वाले भक्तजनों का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन करती है। तत्पश्चात श्री गिरिराज लीला संस्थान मथुरा के कलाकारों द्वारा श्री रामलीला का भव्य मंचन किया, जिसमें नारद मोह एवं शिव-पार्वती संवाद का भव्य मंचन किया। मंच संचालन स्वदेश कौशिक द्वारा किया गया। श्री रामलीला में इस वर्ष रामायणी जी द्वारा अपनी शब्दावली से सभी भक्तजनों को मंत्रमग्ध कर दिया। इस दौरान मुख्य रूप से कैलाश चंद ज्ञानी, राजीव अग्रवाल, उपेंद्र मित्तल, राकेश खंडेलवाल, विदित गुप्ता, राजेश गोयल, शरद गोयल, अभिषेक कुच्छल, संजय जिंदल काका, कुलदीप शर्मा, विवेक बंसल, डॉ प्रदीप जैन, विशाल कालरा विनय कुमार आशीष गर्ग राजकुमार आदि उपस्थित रहे।

रेलवे रोड पर गणपतिधाम ने किया अमावस्या पर भंडारा

मुजफ्फरनगर, 21 सितम्बर (बु.)। प्रमुख समाजसेवी उद्यमी भीम कंसल के सान्निध्य में श्री गणपति खाटू श्याम मंदिर परिवार की ओर से बीते 14 वर्षों से चल रहे भंडारे में बड़ी संख्या में भक्तों ने पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। प्रमुख उद्यमी भीम कंसल ने कहा कि वास्तव में नर सेवा ही नारायण सेवा है। उन्होंने कहा कि भंडारे का मुख्य उद्देश्य जरुरतमंद एवं दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले गरीब परिवारों को भोजन प्रसाद स्वरूप देना है। प्रमुख उद्यमी भीम कंसल ने कहा कि भारतीय संस्कृति में सेवा को सबसे बड़ा तप कहा गया है। नर सेवा ही नारायण की सेवा मानी गई है। इस दौरान आयोजन में मुख्य रूप से विनोद राठी, रजत राठी, योगेश गोयल, जेपी गोयल, कैलाश चंद ज्ञानी, विकास कन्नू, आशुतोष कुच्छल, रजत गोयल, हरिओम, पराग कंसल आदि मौजूद रहे।

संस्थापक सम्पादक एवं हमारे प्रेरणास्रोत स्व. उत्तमचन्द्र शर्मा

मुजफ्फरनगर बुलेटिन

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक व मुद्रक श्रीमति पूजा दुआ ने 'मुजफ्फरनगर बुलेटिन' प्रातःकालीन दैनिक 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर को 'दैनिक बुलेटिन प्रेस' 223-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से मुद्रित कराकर 224-सिविल लाइन्स दक्षिणी, मुजफ्फरनगर से प्रकाशित किया।
सम्पादक-अंकुर दुआ
(प्रकाशक)-98370-42840, 94127-10840
(विज्ञापन)-9368549219 (नि.) 7983359929
सम्पादक-9412210257
E-mail :
muzaffarnagar_bulletin@yahoo.co.in
muzaffarnagar_bulletin@rediffmail.com

सफाई वाहन से टक्कर के बाद लगी कार में आग

फिरोजाबाद, 21 सितंबर (एजेंसी)। फिरोजाबाद में कानपुर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर थाना टूंडला क्षेत्र के आगरा रोड पर स्थित एफएच मेडिकल कॉलेज के सामने एक तेज रफ्तार क्रेटा कार सफाई वाहन से टकरा गई। इस हादसे में कार में अचानक भीषण आग लग गई, जिससे कार आग का गोला बन गई। हादसे में कार में सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। कार में सवार 3 लोग थे, जिनमें टूंडला के शिवनगर थाने के पीछे रहने वाले आदित्य प्रताप, निजामी बस्ती निवासी ध्रुव शर्मा, और दीपा का चौराहा निवासी नमन बंसल शामिल थे। हादसे में 2 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे की सूचना मिलते ही थाना टूंडला पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल उपचार के लिए जिला अस्पताल भिजवाया। साथ ही, फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया, जिसके बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर कार में लगी आग पर काबू पाया।

श्री आदर्श रामलीला पटेलनगर में प्रारंभ हुआ स्वर्ण जयंती वर्ष

- मंत्री कपिल देव और सौरभ स्वरूप ने सपत्नीक किया पूजन - श्री नारद मोह लीला ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

पटेल नगर रामलीला का शुभारम्भ करते मंत्री कपिल देव अग्रवाल, उद्यमी सौरभ स्वरूप व अन्य।

मुजफ्फरनगर, 21 सितम्बर (बु.)। श्री आदर्श रामलीला भवन सेवा समिति पटेलनगर इस वर्ष अपना स्वर्ण जयंती समारोह मना रहा है। शनिवार रात 50वां श्री रामलीला मंचन महोत्सव का भव्य शुभारंभ धूमधाम के साथ हुआ, जहां स्थानीय कलाकारों ने अपनी मंचीय प्रस्तुतियों से सभी को मोहित किया। प्रथम दिन श्री शिव-पार्वती संवाद व नारद मोह की लीलाओं ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। श्री रामलीला के स्वर्ण जयंती समारोह के मुख्य अतिथि स्वतंत्र प्रभार मंत्री व नगर विधायक कपिल देव अग्रवाल तथा प्रमुख उद्यमी सौरभ स्वरूप बंटी व उनकी धर्मपत्नी अविता स्वरूप ने मुख्य प्रबंधक अनिल ऐरन व उनकी धर्मपत्नी मीना ऐरन समेत अन्य अतिथियों और भक्तों के साथ भगवान श्रीराम प्रतिमा के समक्ष पूजन सम्पन्न किया। इसके उपरांत भगवान श्री गणेश, रामायण जी और श्री बांकेबिहारी की आरती के साथ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करते हुए स्वर्ण जयंती रामलीला मंचन समारोह का शुभारंभ किया। श्री आदर्श रामलीला भवन सेवा समिति के तत्वावधान में संपन्न श्री गणेश वंदना के बाद नारद मोह लीला का कलाकारों द्वारा सुन्दर मंचन किया। भगवान श्री गणेश से वरदान प्राप्त कर नारद जी सुन्दर स्वरूप के अहंकार से घिर जाते हैं। इस लीला में भगवान विष्णु द्वारा नारद जी का मोह भंग किया गया। इससे नाराज नारद जी द्वारा भगवान विष्णु को धरती पर अवतार के दौरान पत्नी वियोग में भटकने का श्राप दिया गया। इसके पश्चात भगवान शिव और पार्वती की लीला ने भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भगवान शिव ने पार्वती को भगवान विष्णु के प्रभु श्रीराम के अवतार में धरती पर जन्म लेने की पूरी लीला का वर्णन सुन्दर ढंग से किया। इस दौरान रामलीला कमेटी से जुड़े तीन सदस्यों पूर्व विधायक सोमांश प्रकाश, निधीश प्रकाश और रामलीला के निर्देशक एवं कलाकार अमित भारद्वाज के बीते दिनों हुए निधन को लेकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। समारोह में मुख्य रूप से कमेटी के मुख्य प्रबंधक अनिल ऐरन, अध्यक्ष गोपाल चौधरी, कार्यक्रम संयोजक विकल्प जैन, महामंत्री सुरेंद्र मंगल, मंत्री जितेंद्र कुच्छल, उपाध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, मनीष कपूर, मनीष चौधरी, अशोक गर्ग, दिनेश जैन ठेकेदार, पं. चिरायु गालव, धर्मेन्द्र पंवार नीटू, अनिल लोहिया, पीयूष शर्मा, राकेश मित्तल, विनोद गुप्ता, रामलीला निर्देशक पंकज शर्मा, नारायण ऐरन, विजय मित्तल, जितेन्द्र नामदेव और गोविंद शर्मा, ज्योति ऐरन, कन्दर्प ऐरन, अनिल गोयल, यश चौधरी, गौरव मित्तल, अंशुल गुप्ता, अमर चौधरी, प्रदीप बॉबी, हरिओम मास्टर, सोनू सिंह, मनोज पाटिल, राजेश वशिष्ठ, देवेन्द्र पतला, शिवांश ठाकुर, पंकज वशिष्ठ, स्पर्श गर्ग, यश गर्ग, कृष्णा नामदेव, विशाल शर्मा, उदय कौशिक, लक्ष्य बंसल, अभिषेक कश्यप, जतिन गर्ग, विपुल मोहन, अज्जु जैन, सहित अन्य कलाकार मौजूद रहे। पं. ब्रजेन्द्र मिश्रा और पं. जितेन्द्र मिश्रा ने पूजन कराया। रामायण वाचक रामपाल सिंह राठी ने श्लोक पाठ किया, हारमोनियम पर विजय कुमार और ढोलक पर मनोज राज ने उनका साथ दिया। कार्यक्रम में पहुंचे सभी अतिथियों और गणमान्य लोगों का कमेटी पदाधिकारियों ने पटका पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

> **रामलीला श्रीराम के प्रति आस्था, भक्ति, समर्पण व परिश्रम का अनूठा संगम है, इन लीलाओं की सेवा व प्रार्थना के प्रभाव से आज अयोध्या में भगवान श्री राम का भव्य धाम दुनिया के सनातन संस्कृति को मानने वाले लोगों को आकर्षित कर रहा है। मंदिर सनातन संस्कृति और हिंदुत्व का जीता जागता दर्शन है। पीएम नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सनानत संस्कृति, हिन्दुत्व व राष्ट्रीयत्व को एक नई ऊर्जा प्रदान की और दुनिया में भारत का मान बढ़ाया है।**
> **कपिल देव अग्रवाल,** राज्यमंत्री, यूपी

> **रामलीलाएं हमें अपने धर्म की पहचान कराने के साथ संस्कृति के सूत्र में बांधकर एक दूसरे से जोड़ती हैं और पीढ़ियों को संस्कारवान बनाने का काम कर रही हैं। उन्होंने कमेटी के लोगों को इस सफर के 50 वर्ष पूर्ण करने पर बधाई दी और सभी से आह्वान किया कि हमें अपने बच्चों के साथ रामलीला में आना चाहिए, क्योंकि हमारे बच्चे अपने धर्म और संस्कृति से कहीं न कहीं दूर हो रहे हैं।**
> **सौरभ स्वरूप बंटी** उद्यमी

> **इस वर्ष समिति द्वारा 50वें श्री आदर्श रामलीला मंचन का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस मंच को गुरू पं. रामप्रसाद शर्मा और रवि मित्तल ने 1976 में स्थापित किया था। रामलीला स्थानीय कलाकारों द्वारा मंचित की जाती है, इसमें सभी कलाकार समिति पदाधिकारी या उनके अपने परिवार से होते हैं। उन्होंने सभी लोगों से प्रतिदिन रामलीला मंचन देखने आने के लिए अपील की।**
> **विकल्प जैन** श्री आदर्श रामलीला भवन सेवा समिति पटेलनगर नई मंडी के कार्यक्रम संयोजक एवं पूर्व सभासद

Sleepwell
SALE
ON DISCONTINUED MODELS
UPTO 50% OFF
Brand new mattresses with full company guarantee
मद्रास हैण्डलूम
featherfoam
Dr. Back
Dreams
रूड़की रोड, आनन्द भवन, मु0 नगर
मो0 9837051699
SPRINGFIT
EXCHANGE OFFER
पुराने गद्दे देकर BRANDED गद्दे लें बचाएं ₹3100/- तक

आवश्यक सूचना

कार्यालय- सहायक रजिस्ट्रार, फर्म्स, सोसाइटीज तथा चिट्स, सहारनपुर मण्डल, सहारनपुर के पत्र संख्या 1550/1308- आई/सहारनपुर दिनांक 17/9/2025 के अनुसार घोषित निर्वाचन कार्यक्रम में श्री कुन्द कुन्द जैन एजुकेशन एसोसिएशन, खतौली के अन्तर्गत संचालित समस्त संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के नामांकन शुल्क के अतिरिक्त निर्धारित 25,000/- रू0 जमानत राशि को तत्काल प्रभाव से विलोपित किया जाता है।

निर्वाचन अधिकारी

दहेज की मांग पूरी ना होने पर घर मार-पीटकर घर से निकाला

जानसठ, 21 सितम्बर (बु.)। थाना क्षेत्र के गांव निठारी निवासी लड़की की शादी खतौली क्षेत्र के गांव लोहड़ा में हुई थी। ससुराल वालों की दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। उसने महिला थाने में शिकायती पत्र देकर मुकदमा दर्ज कराने की मांग की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया। गांव निठारी निवासी सीमा ने महिला थाने में प्रार्थना पत्र दिया। उसने प्रार्थना-पत्र देकर बताया कि उसकी शादी लगभग 15 साल पहले गुड्डू पुत्र मिट्ठन निवासी लोहड्डा, खतौली जनपद मुजफ्फरनगर के साथ हुई थी। इस शादी में उसके पिता ने अपनी हैसियत से ज्यादा खर्च कर आभूषण, नगदी व कीमती सामान दिया था। उसने बताया कि ससुराल वालों ने एक साल बाद ही मुझे परेशान करना शुरू कर दिया था। वह मेरे घरवालों से दहेज की मांग करने लगे। मांग पूरी नहीं होने पर उन्होंने मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी। उसने बताया कि उन्होंने एक लाख रुपयों की मांग की और मुझे मारपीट कर घर से निकाल दिया। 21 मई को मेरे पति गुड्डू, सास वीरमती, जेठानी मांगी व जेठानी की लड़की ने एक लाख रुपए की मांग रखी। मेरे मना करने पर उन्होंने मेरे साथ मारपीट की। सीमा की तहरीर के आधार पुलिस ने पति गुड्डू, सास वीरमती, जेठानी मांगी व जेठानी की लड़की के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली प्रभारी राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर धर्म के आधार पर राजनीति कर रही : एसपी पटेल

शाहपुर, 21 सितम्बर (बु.)। समाजवादी पार्टी शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष एसपी पटेल ने कहा कि भाजपा शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर धर्म के आधार पर राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि सपा सरकार के शासनकाल में शिक्षकों के हितों के लिए कार्य किए गए। कस्बे के कल्पना चावला मेमोरियल इंटर कॉलेज में पीडीए पंचायत शिक्षक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष एसपी पटेल ने कहा कि प्रदेश में जब-जब सपा की सरकार बनी है, सपा सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में अहम कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार साजिश रच कर शिक्षा व्यवस्था को चौपट कर धर्म के आधार पर राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार देश की करीब 82 करोड़ जनता को राशन दे रही है, जबकि उनके लिए शिक्षा की कोई उचित व्यवस्था नहीं है। उन्होंने सपा के शासनकाल की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि सपा सरकार ने वित्त विहीन माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को पांच हजार रुपये प्रति माह देने के लिए धन स्वीकृत किया था, किंतु प्रदेश सरकार ने इस योजना को रोक दिया। इसके अलावा प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षामित्र को स्थाई किया था, किंतु प्रदेश सरकार शिक्षामित्र के लिए कोई कार्य नहीं कर रही है। सपा के शिक्षक पद के एमएलसी के प्रत्याशी नितिन तोमर ने कहा कि निजी विद्यालयों में शिक्षक न्यूनतम वेतन पर कार्य कर रहे हैं, बावजूद इसके सरकार उन्हें विश्वास में नहीं ले रही है। भाजपा सरकार ने वित्त विहीन विद्यालयों के अलावा अन्य शिक्षकों के लिए कोई योजना नहीं बनाई है ना ही सरकार की कोई नीति है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के शासनकाल में शिक्षक आर्थिक रूप से कमजोर हो रहा है तथा शिक्षकों का सम्मान भी कम हुआ है। सपा शिक्षकों के उत्थान की बात करती है और सपा सरकार बनने के बाद शिक्षकों के उत्थान के लिए कार्य किए जाएंगे। कार्यक्रम को सपा शिक्षक सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र पाल, सपा के प्रदेश सचिव इलम सिंह गुर्जर, जिला अध्यक्ष जिया चौधरी व विनय पाल प्रमुख आदि ने संबोधित किया। कार्यक्रम के आयोजक शिक्षक सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष सत्येंद्र पाल ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन हसीन सैफी व विकास कुमार ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से भावना पाल, दर्शना सिंह, सत्य प्रकाश त्यागी, देवेंद्र सिंह, उस्मान चौधरी, करण सिंह, पुष्पेंद्र बालियान, विधानसभा अध्यक्ष अकरम खान, अनेश निर्वाल, इकबाल कुरैशी, योगेश कश्यप, विपिन बालियान, नरेंद्र त्यागी व निरंजन सिंह आदि सहित दर्जनों विद्यालयों के प्रबंधक प्रधानाचार्य व स्टाफ मौजूद रहा।

पुजारी पुत्रों ने फिर लगाये मंदिर कमेटी पर तरह-तरह के आरोप

मुजफ्फरनगर, 21 सितंबर (बुस.)। अस्पताल चौराहे के निकट स्थित 100 वर्ष पुराने शिव मंदिर का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। आपको बतादें कि कल कमेटी के द्वारा प्रेस वार्ता कर अपनी पूरी बात मीडिया के समक्ष रखी गयी थी। आज समाचार-पत्रों में पूरी खबर प्रकाशित होने के बाद पुजारी पक्ष ने प्रेस वार्ता की और संयुक्त हिन्दू मोर्चा के बैनर तले हिन्दू संगठनों ने कमेटी पर ही आरोप लगा डाले। हिन्दू संगठनों का बताना है कि 60 वर्षों से दिवंगत भास्करानन्द बसालियाल ने मंदिर में सेवा पूजा की। अब उनकी पत्नी सरस्वती देवी व उनके दो पुत्र आयुष व पीयूष यहां रह रहे हैं। हिन्दू सेंगठनों का आरोप है कि मंदिर कमेटी द्वारा पुजारी के परिवार का मानसिक शोषण किया जा रहा है और मंदिर खाली कराने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके खिलाफ शिवसेना और क्षेत्रीय लोग कमैटी का विरोध कर रहे हैं और उन्हें प्रशासनिक संरक्षण की आवश्यकता है। हिन्दू संगठनों का कहना है कि शिव मंदिर सभा द्वारा ही विभिन्न स्रोतों से धन एकत्र किया जाता था। मगर पिछले एक वर्ष से कमैटी के लोगों ने मंदिर परिसर का नियंत्रण अपने कब्जे में ले लिया है। हिन्दू संगठनों व पुजारी परिवार ने बताया कि मंदिर में दुकानों का निर्माण किया जा रहा है। उनका बताना है कि दूसरे समुदाय के कबाड़ी भी वर्षों से अवैध कब्जा किये हुए हैं, जिनकी सम्पत्ति की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कबाड़ियों पर आरोप लगाया और कहा कि कबाड़ियों द्वारा मंदिर के अस्तित्व को समाप्त करने की कोशिश की जा रही है, जिसकी जांच कराया जाना आवश्यक है और पुजारियों का अस्तित्व खतरे में है। प्रेस वार्ता के दौरान पुजारी परिवार के साथ हिन्दू संगठन के शैंकी, रवि गौतम और संयुक्त हिन्दू मोर्चा के मनोज सैनी मौजूद रहे।

हैरान कर देने वाला आंकड़ा आया सामने, सिर्फ 8 माह में 43 हजार लोगों को बंदर व कुत्तों ने काटा

मुजफ्फरनगर, 21 सितंबर (बु.)। जनपद में लगातार बंदर और कुत्तों के काटने के मामले सामने आ रहे हैं। मगर यह आंकड़ा इतना बड़ा भी हो सकता है, इसका किसी को अंदाजा तक नहीं हो सकता। जब यह आंकडा सामने आया तो आंकड़ा जुटाने वाला भी हैरत में रह गया। मात्र 8 माह में 43,624 मामले सामने आये हैं, जो प्रतिदिन के हिसाब से देखें तो एक बहुत बड़ा आंकड़ा है। प्रतिदिन 180 लोगों को बंदर और कुत्ते काट रहे हैं।

हर गली में लोग भयभीत दिखाई पड़ते हैं और अपने ही घरों की छतों पर महिलाएं जाने से डरने लगी हैं। कहीं छतों पर पहुंचते ही बंदर झपट्टा ना मार दें। मगर हैरानी की बात यह है कि इतना बड़ा आंकड़ा सामने आने के् बावजूद भी किसी नेता अथवा पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को कोई चिंता दिखाई नहीं पड़ती। बुलेटिन ने तो हाल ही में कुतों को पकड़ने से बेहतर यह समाधान तक बताया था कि उनकी जनसंख्या नियंत्रण के लिये उन्हें फीमेल डॉग माला डी की गोलियां दी जा सकती हैं। जिससे उनकी प्रेग्नेंसी न के बराबर हो जाएगी। मगर किसी को समाधान करने की चिंता हो, तब तो यह बातें कहने-सुनने में अच्छी लगेंगी। मगर कुछ भी लिखते रहें असर किसी पर होने वाला नहीं है। अगर होता तो इतना बड़ा आंकडा कुत्ते और बंदरों के काटने का सामने न आता। हैरानी की बात यह है कि आधे से अधिक केस घटनाएं होने के बाद भी प्रशासन की कुंभकर्णी नींद नहीं खुलती है। इस समय देखा जाये तो हर गली में 12 से 13 कुते देखने को मिलते हैं। लोग इससे काफी परेशान हैं। लोगों को बच्चों को बाहर भेजने में डर लगता है। ऐसे में यह कैसी मुसीबत है, जो खत्म होने का नाम ही नहीं ले रही है। बुलेटिन लगातार इस कोशिश में लगा हुआ है कि किसी भी तरह से लोगों को इस मुसीबत से निजात दिलाई जाये। अधिकारी और नेता मात्र दावों के अलावा कुछ करें या ना करें, लेकिन मुजफ्फरनगर बुलेटिन इस प्रयास को जारी रखेगा कि जल्द से जल्द लोगों को इस मुश्किल से निजात मिल सके। बुलेटिन की टीम ने जनवरी से लेकर अब तक के आंकड़े जिला चिकित्सा प्रमुख के कार्यालय से जुटाये हैं।

इसका गणित समझायें तो प्रतिदिन 180 लोगों को काट रहे हैं बंदर और कुत्ते मगर नेता और अधिकारियों के चेहरे पर कोई शिकन नहीं

आपको बता दें कि जनवरी 2025 में पूरे जनपद में 5224 मामले रैबीज के सामने आये हैं। वहीं फरवरी 2025 में 5978 मामले सामने आए। मार्च में यह आंकड़ा बढ़कर 6122 हो गया। अप्रैल में यह आंकड़ा 5393 रहा। मई में यह आंकड़ा 5059 तक पहुंचा, जून में आंकड़े में थोड़ी कमी आई और यह 4737 दर्ज किया गया। जुलाई में यही आंकड़ा 5553 तक पहुंचा, वहीं अगस्त में यह आंकड़ा 5550 तक पहुंचा गया। यानि 8 महीनों में कुल 43 हजार 624 मामले दर्ज किये गये। इस मामले में चिकित्सकों की मानें तो इन मामलों में 95 प्रतिशत से ज्यादा मामले कुतों के काटने के हैं। अगर आप इसको 240 दिनों के हिसाब से देखें तो प्रतिदिन का हिसाब लगभग 180 का आयेगा। मतलब साफ है कि प्रतिदिन 180 मामले कुतों और बंदरों के काटने के आ रहे हैं। इसके अलावा आपको यह जानना भी जरूरी है कि अगस्त में रैबीज से एक बच्चे की मौत का मामला भी सामने आ चुका है। आपको बता दें कि बुढ़ाना में 15 साल के बच्चे को कुत्तों ने काट लिया था। उसने डर के मारे घर में नहीं बताया, जिसके बाद वह रैबीज का शिकार हो गया था। इस बच्चे की 24 अगस्त 2025 को मृत्यु हो गई थी।

कुत्ते के काटने पर क्या करें

मुजफ्फरनगर। अगर आपको कुत्ता काट लेता है तो घाव को तत्काल साबुन और बहते पानी से अच्छी तरह धोएं, एंटीसेप्टिक लगाएं, तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें या इलाज के लिये अस्पताल जाएं, डॉक्टर की सलाह के अनुसार एंटी-रैबीज टीकाकरण कोर्स अवश्य पूरा करें, पालतू कुते को एंटी रैबीज के टीके लगवाएं।

क्या ना करें

मुजफ्फरनगर। जानवरों द्वारा मारे गये पंजे के घाव को नजर अंदाज न करें, झाड़-फूंक या घरेलू उपचार पर समय न गवाएं, घाव पर नमक, मिर्च या तेल का उपयोग न करें, घाव की तुरंत सफाई में लापरवाही न बरतें।

एआरएस जिला अस्पताल में हैं उपलब्ध

मुजफ्फरनगर। आपको बता दें कि बुलेटिन ने जानकारी एकत्रित यह जानकारी भी हासिल की है कि एंटी रैबीज वैक्सीन जनपद के 63 अस्पतालों में उपलब्ध है। वहीं एंटी रैबीज सिरम केवल जिला अस्पताल में ही उपलब्ध है। एंटी रैबीज सिरम का ट्रायल अभी जुलाई में ही शुरू किया गया है। जुलाई से अब तक कुल 27 लोगों को यह दवाई लगाई गई है। इसको उसी अवस्था में लगाया जाता है, जब कोई ज्यादा गंभीर कुते के काटने का मामला सामने आया हो। ज्यादातर लोगों को एंटी रैबीज वैक्सीन ही लगाई जाती है।

महिला पुलिसकर्मियों की निकली स्कूटी रैली तो व्यापारियों ने बिछा दिये राहों में फूल

मुजफ्फरनगर, 21 सितंबर (बु.)। मिशन शक्ति-5.0 महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण की नई दिशा में जिलाधिकारी उमेश मिश्रा व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन से महिला स्कूटी रैली को हरी झण्डी दिखाई। इस दौरान पुलिस लाइन में भव्य कार्यक्रम तो हुआ ही साथ ही साथ अधिकारियों द्वारा मौजूदा पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों, समाजसेवी व संभ्रान्त महिलाओं से संवाद स्थापित किया गया तथा मिशन शक्ति अभियान में उनके योगदान की सराहना की गयी। अपने सम्बोधन में जिलाधिकारी ने बताया कि मिशन शक्ति 5.0 के तहत हमारा उद्देश्य न केवल महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना है बल्कि उन्हें सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने के लिए समाज में जागरूकता फैलाना भी है। जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने महिला पुलिस कर्मचारियों व अधिकारियों को सम्मानित किया वहीं 6 वर्षीया काव्या वत्स द्वारा कुरूक्षेत्र हरियाणा में जूडो कराटे प्रतियोगिता में ब्रान्ज मेडल प्राप्त कर जनपद को गौरवान्वित करने वाली नन्हीं बच्ची को सम्मानित किया। इसके बाद 50 स्कूटियों पर सवार महिला पुलिसकर्मियों और अधिकारियों की रैली का शुभारम्भ हुआ जो कि नगर के विभिन्न मार्गों से होती हुई उक्त रैली महिला सुरक्षा एवं जागरूकता का संदेश देती हुई निकली। व्यापारियों ने शिवचौक पर महिला पुलिसकर्मियों के सम्मान में सड़कों पर फूल बिछा दिये और गर्व की अनुभूति की। व्यापारी नेता कृष्ण गोपाल मित्तल ने कहा कि आज हमारी बहन बेटियां देश का गौरव बढ़ा रही हैं। अपनी बहन बेटियों को सम्मान देने के लिए उन्होंने उन पर फूलों की वर्षा करते हुए मात्र शक्ति को नमन किया।

बिना आज्ञा के हो रही थी महापंचायत, पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर भांजी लाठियां

मेरठ, 21 सितंबर (एजेंसी)। मेरठ में रविवार शाम को गुर्जर महापंचायत में हंगामा होने का समाचार है। बिना आज्ञा हो रहे इस महापंचायत को पुलिस ने रोक दिया। इस पर लोग भड़क उठे। पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया। पुलिस ने लाठी पटकते हुए उन्हें दौड़ा लिया। पत्थर फेंकने वाले 12 लोगों को हिरासत में लिया गया है। सभी को पुलिस लाइन लाया गया है। पुलिस ने राष्ट्रीय गुर्जर समाज संघर्ष समिति के अध्यक्ष रविंद्र भाटी गुर्जर को अरेस्ट कर लिया है। मामला दौराला थाना क्षेत्र के दादरी गांव का है। मौके पर पहुंचे सुभाष भाटी ने बताया कि विपक्षी पार्टी ने एक अफवाह फैला दी है कि गुर्जरों का जो अपना गांव हैं, वो अपने गांव के बाहर अपना नाम नहीं लिख सकते हैं। मेरा योगी जी से निवेदन है कि इस तरह का जातिवाद न फैलाया जाए। ठाकुर, गुर्जर एक हैं, इसलिए जातिवाद न फैलाया जाए। यहां हमारी पंचायत के बीच से कुछ लोगों को उठा लिया गया और उन लोगों को पुलिस, प्रशासन ने अपने साथ लेकर पुलिस लाइन ले आई है।उन्होंने बताया ये पुलिस, प्रशासन की तानाशाही है। जो जातिवाद फैलाने वालों को बढ़ावा दे रही है।

कहा कि मैं बेशक भाजपा को मानता हूं, लेकिन मेरे लिए मेरी बिरादरी पहले है। हम लोग यहां अपने हक की बात करने के लिए जुटे थे। बातचीत कर रहे थे। लेकिन, पुलिस ने हमारे साथ तानाशाही व्यवहार किया है। मौके पर पहुंचे एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि थाना दौराला क्षेत्र में पुलिस को सूचना मिली थी कि यहां पर कुछ लड़के इकट्ठा होकर माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शांति व्यवस्था कायम की गई, इन लोगों को डिस्पर्स किया गया और कुछ लड़कों को हिरासत में लिया है। ये लोग रैली निकालने की बात चल रही थी, जिसमें कुछ लोग दूसरे जिलों से आए हैं। यहां पर माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे थे। इसका पुलिस द्वारा संज्ञान लिया गया है। कोई पत्थरबाजी नहीं हुई है। कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। दरअसल पिछले दिनों मेरठ में कपसाढ़ गांव के बाहर ठाकुरों ने सम्राट मिहिर भोज के नाम से एक गेट लगाया था। इस गेट के ऊपर राजपूत सम्राट मिहिर भोज लिखवाया गया था। इसका काफी विरोध गुर्जर बिरादरी ने किया था। पुलिस, प्रशासन ने इसके बावजूद इस बोर्ड को नहीं हटाया। न ही कोई एक्शन लिया था। इसी के विरोध में आज दादरी गांव में गुर्जर बिरादरी ने पंचायत बुलाई थी। इसमें नोएडा, हापुड़, गाजियाबाद से लेकर वेस्ट यूपी के लगभग 7 जिलों से बिरादरी के लोग पहुंचे थे। जैसे ही पंचायत शुरू हुई मौके पर पुलिस पहुंची और पंचायत को बंद करा दिया। इतना ही नहीं पुलिस ने वहां से नेताओं को हिरासत में ले लिया। तमाम नेताओं को पुलिस गाड़ी में भरकर पुलिस लाइन ले आई है। वहां से पुलिस ने पंचायत हटवा दी है। आरोप है कि पुलिस ने हाथ में लाठी लेकर बिरादरी के लोगों को दौड़ाया उनके पीछे भागी है।

आई लव मोहम्मद जुलूस में बवाल, इंस्पेक्टर की वर्दी नोची

:उन्नाव में सर तन से जुदा के नारे लगाए; पुलिस ने लाठीचार्ज कर भीड़ को खदेड़ा

उन्नाव, 21 सितम्बर (एजेंसी)। 'आई लव मोहम्मद' विवाद को लेकर उन्नाव में रविवार रात बवाल हो गया। यहां कानपुर की घटना के विरोध में जुलूस निकाल रहे लोगों को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो नारेबाजी शुरू हो गई। कोतवाली प्रभारी अजय कुमार सिंह ने लोगों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन, लोग गुस्ताख-ए-नबी की एक ही सजा... जैसे धार्मिक नारे लगाने लगे। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस के साथ धक्का-मुक्की भी की। फिर पथराव कर दिया। गंगाघाट कोतवाली के प्रभारी इंस्पेक्टर अजय कुमार सिंह की वर्दी के स्टार भी नोच लिए गए। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इससे मौके पर भगदड़ मच गई। बवाल की सूचना पर गंगाघाट, सदर कोतवाली, अचलगंज कोतवाली से फोर्स मंगवाई गई। साथ ही दंगा नियंत्रण वाहन और पीएसी के जवान भी तैनात किए गए। बीघापुर के सीओ मधुपनाथ मिश्र और सीओ सफीपुर सोनम सिंह ने भी मौके का जायजा लिया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल 6 को हिरासत में ले लिया है। जुलूस बिना परमिशन लिए निकाला गया था। क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। मामला गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के रविवार मनोहर नगर का है। बवाल रविवार रात करीब पौने नौ बजे शुरू हुआ। मनोहर नगर में कुछ लोग आई लव मोहम्मद के समर्थन में जुलूस निकाल रहे थे। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और पुरुष शामिल थे। पुलिस ने लोगों को रोकने की कोशिश की तो लोगों ने विरोध किया। पुलिस ने समझाया तो धक्का-मुक्की करने लगे। इंस्पेक्टर की वर्दी से बिल्ला नोच लिया। इसके बाद पुलिस ने बवाल कर रहे 6 लोगों को हिरासत में लिया। इससे परिजन और समर्थक बवाल शुरू कर दिया। मौके पर करीब 100 से अधिक लोग जुट गए। हालात गंभीर होते देख अचलगंज और गंगाघाट थाना क्षेत्र की पुलिस को बुला लिया गया। क्विक रेस्पॉन्स टीम (दफ्ळ) भी मौके पर पहुंची। इनमें से कुछ ने पुलिस कार्रवाई का विरोध करते हुए नारेबाजी शुरू कर दी। स्थिति को बिगड़ते देख पुलिस को लाठी चलानी पड़ी। लोग इधर-उधर भागने लगे। महिलाओं ने रोकने की कोशिश की तो पुलिस से बहस होने लगी। शुरूआती जांच में सामने आया कि सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट और उसके बाद निकाले गए जुलूस के चलते तनाव फैला। वहीं, हिरासत में लिए गए लोगों से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल, हालात काबू में हैं। इलाके में पुलिस फोर्स तैनात है। अचलगंज, गंगाघाट समेत अन्य संवेदनशील इलाकों में गश्त बढ़ा दी गई है। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें। शांति बनाए रखें।

सोमवार से जीएसटी बचत उत्सव, 99 प्रतिशत चीजें सस्ती: मोदी

नयी दिल्ली, 21 सितंबर (वार्ता) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि सोमवार (22 सितंबर) से नवरात्रि के साथ जीएसटी बचत उत्सव शुरू होने जा रहा है जिसमें 99 प्रतिशत चीजें अब आम लोगों के लिए सस्ती होने वाली हैं। श्री मोदी ने रविवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के सोमवार से लागू हो रहे सुधारों को आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए एक बड़ा कदम बताते हुए कहा कि त्योहारों के मौसम में इससे सबका मुंह मीठा होगा। उन्होंने कहा कि इन सुधारों से लोगों की बचत बढ़ेगी और वे अपनी पसंद की चीजों को और आसानी से खरीद सकेंगे। इससे देश की आर्थिक वर्दृ को को बढ़ावा मिलेगा, कारोबार आसान होगा और निवेश आकर्षक बनेगा। उन्होंने आठ साल पहले लागू किए गये जीएसटी का जिक्र करते हुए कहा कि दशकों तक जनता और व्यापारी सभी अलग-अलग कर के जाल में उलझे हुए थे। एक शहर से दूसरे शहर माल भेजने के लिए ना जाने कितने चेक पोस्ट पार करने होते थे, कितने फॉर्म भरने होते थे, हर राज्य में अलग-अलग नियम थे। तब ऐसी लाखों कंपनियां, लाखों देशवासियों को अलग-अलग कर चुकाना पड़ता था। उन्होंने कहा कि उस व्यवस्था से देश को निकालना जरूरी था। इसलिए सरकार ने 2017 में जीएसटी लागू किया। उन्होंने जीएसटी में अगली पीढ़ी के सुधारों के बारे में कहा कि सुधार एक अनवरत चलने वाली प्रक्रिया है। देश की वर्तमान जरूरत और नई पीढ़ी के सपनों को देखते हुए नये सुधार लागू किया जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब सिर्फ दो कर स्लैब रह गये हैं - 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत के। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 12 प्रतिशत कर वाली 99 प्रतिशत से अधिक वस्तुओं को अब 5 प्रतिशत के दायरे में लाया गया है।

गाजा युद्ध पीड़ितों को भी नहीं छोड़ा निकली करोड़ों की फर्जी फंडिंग, यूपी एटीएस ने से 3 को किया गिरफ्तार

लखनऊ, 21 सितंबर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की एंटी टेरर स्क्वॉड ने गाजा युद्ध पीड़ितों की सहायता के नाम पर करोड़ों रुपये की फर्जी चंदा उगाही करने वाले गिरोह का पदार्फाश किया है। इस मामले में एटीएस ने महाराष्ट्र के भिवंडी से तीन आरोपियों मोहम्मद अयान, जैद नोटियार और अबू सूफियान को गिरफ्तार किया है। एटीएस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर गाजा युद्ध में प्रभावित बच्चों और महिलाओं की मदद के नाम पर क्राउड फंडिंग चला रहे हैं। भावनात्मक वीडियो और संदेशों के जरिए आम जनता से दान मांगा जा रहा था। हालांकि, जुटाई गई भारी-भरकम राशि युद्ध पीड़ितों तक नहीं पहुंची, बल्कि आरोपियों ने इसे गबन कर लिया। जांच के बाद एटीएस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ लखनऊ के एटीएस थाने में मुकदमा दर्ज किया। 20 सितंबर, 2025 को महाराष्ट्र के भिवंडी से तीनों को गिरफ्तार किया गया। न्यायालय से ट्रांजिट रिमांड प्राप्त कर आरोपियों को लखनऊ लाया जाएगा। आरोपियों ने अपनी यूपीआई आईडी और बैंक खातों के जरिए करोड़ों रुपये चंदे के रूप में प्राप्त किए। इस राशि का बड़ा हिस्सा युद्ध पीड़ितों को देने के बजाय अवैध गतिविधियों और निजी खर्चों में इस्तेमाल किया गया। यूपी के कई जिलों से भी लोग इस फर्जी चंदा उगाही का शिकार बने।

बाइक की साइड लगने से हुए विवाद में युवक गंभीर घायल

खतौली, 21 सितंबर (बु.)। गांव रसूलपुर निवासी टीपू पुत्र इस्लाम अपने मेडिकल स्टोर पर जा रहा था। आरोप है कि रास्ते में आतिफ की बाइक से टक्कर हो गयी, जिसको लेकर दोनों के बीच विवाद और गाली-गलौच के साथ मारपीट भी हुई। आरोप है कि बाइक सवार के परिजनों द्वारा टीपू पर हमला बोलकर गंभीर रूप से घायल कर दिया।

घायल टीपू को तत्काल सरकारी अस्पताल भिजवाया गया, जहां से हालत चिंताजनक होने पर घायल को हायर सेंटर के लिए रैफर कर दिया गया। घायल टीपू के भाई जावेद द्वारा आरोपियों के विरुद्ध कोतवाली में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की गयी है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

मुजफ्फरनगर, 21 सितम्बर (बु.)। देर रात शहर कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत मुजफ्फरनगर से अपने गांव कितना लौट रहे दो युवकों को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी दोनों युवक अपनी बाइक पर सवार थे टक्कर के बाद गंभीर हालत में दोनों युवकों को चिकित्सालय पहुंचाया गया जहां एक युवक अक्षय गोस्वामी को डॉक्टर ने मरात घोषित कर दिया युवक की उम्र मात्र 24 वर्ष की थी जबकि दूसरा युवक हिमांशु गर्ग निवासी पिना उम्र 25 वर्ष की हालत गंभीर बनी हुई है, जैसे ही अक्षय गोस्वामी के दुखद मृत्यु की सूचना परिवार के बीच पहुंची तो परिवार में कोहराम मच गया जबकि दूसरे युवक हिमांशु के परिजन मे घबराए हुए जिला चिकित्सालय पहुंचे समाचार लिखकर जाने तक हिमांशु गर्ग की हालत को भीगंभीर बताते उसे मेरठ के लिए रेफर कर दिया गया

एलओसी पर 40 मिनट तक चलाई अंधाधुंध गोलियां, सेना ने दिया मुहंतोड़ जवाब

कुपवाड़ा, 21 सितंबर (एजेंसी)। पाकिस्तानी सेना ने शनिवार रात को उत्तरी कश्मीर के नौगाम सेक्टर (कुपवाड़ा) में सीजफायर का उल्लंघन करते हुए अकारण गोलाबारी की। पाकिस्तानी सेना ने यह दुस्साहस सऊदी अरब के साथ हुए रक्षा समझौते के ठीक एक दिन बाद किया, जिसका भारतीय सैनिकों ने मुंहतोड़ जवाब देते हुए दुश्मन की निगरानी चौकी को व्यापक नुकसान पहुंचाया। अलबत्ता, सेना के द्वारा संघर्ष विराम के उल्लंघन की देर रात तक पुष्टि नहीं की गई थी। सूत्रों ने बताया कि शाम करीब साढ़े पांच बजे पाकिस्तान द्वारा नौगाम सेक्टर के तूतमार गली में स्थित भारतीय चौकियों पर गोलाबारी की। भारतीय सेना के जवानों ने पहले इसे महज उकसावे की कार्रवाई मानते हुए संयम बरता, लेकिन जब गोलाबारी की तीव्रता बढ़ने लगी, तो उन्होंने भी जवाबी फायर किया। करीब 40 मिनट तक दोनों तरफ से लगातार भीषण गोलाबारी होने की सूचना है। पाकिस्तानी सैनिकों की तरफ से गोलाबारी बंद होने के बाद भारतीय जवानों ने भी जवाबी प्रहार बंद कर दिया। लगभग तीन घंटे बाद रात करीब साढ़े नौ बजे पाकिस्तानी सैनिकों ने फिर भारतीय चौकियों पर गोलाबारी की, तो भारतीय जवानों ने भी कड़ा जवाब दिया।

शेष : मां दुर्गा की प्रथम शक्ति

पर्वतराज हिमालय के वहां पुत्री के रूप में उत्पन्न होने के कारण इनका यह 'शैलपुत्री' नाम पड़ा था। वृषभ-स्थिता इन माताजी के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बायें हाथ में कमल-पुष्प सुशोभित है। यही नव दुर्गाओं में प्रथम दुर्गा हैं। अपने पूर्वजन्म में ये प्रजापति दक्ष की कन्या के रूप में उत्पन्न हुई थीं। तब इनका नाम 'सती' था। इनका विवाह भगवान शंकरजी से हुआ था। एक बार प्रजापति दक्ष ने एक बहुत बड़ा यज्ञ किया। इसमें उन्होंने सारे देवताओं कों अपना-अपना यज्ञ भाग प्राप्त करने के लिए निमन्त्रित किया। किन्तु शंकरजी को उन्होंने इस यज्ञ में निमन्त्रित नहीं किया। सती ने जब सुना कि हमारे पिता एक अत्यन्त विशाल यज्ञ का अनुष्ठान कर रहे हैं, तब वहां जाने के लिए उनका मन विकल हो उठा। अपनी यह इच्छा उन्होंने शंकर जी को बतायी। सारी बातों पर विचार करने के बाद उन्होंने कहा - 'प्रजापति दक्ष किसी कारणवश हमसे रूष्ट हैं। अपने यज्ञ में उन्होंने सारे देवताओं को निमन्त्रित किया है। उनके यज्ञ-भाग भी उन्हें समर्पित किये हैं, किन्तु हमें जान-बूझकर नहीं बुलाया है। कोई सूचना तक नहीं भेजी है। ऐसी स्थिति में तुम्हारा वहां जाना किसी प्रकार भी श्रेयस्कर नहीं होगा।' शंकरजी के इस उपदेश से सती का प्रबोध नहीं हुआ। पिता का यज्ञ देखने, वहां जाकर माता और बहनों से मिलने की उनकी व्यग्रता किसी प्रकार भी कम न हो सकी। उनका प्रबल आग्रह देखकर भगवान शंकरजी ने उन्हें वहां जाने की अनुमति दे दी। सती ने पिता के घर पहुंचकर देखा कि कोई भी उनसे आदर और प्रेम के साथ बात-चीत नहीं कर रहा है। सारे लोग मुंह फेरे हुए हैं। केवल उनकी माता ने स्नेह से उन्हें गले लगाया। बहनों की बातों में व्यंग्य और उपहास के भाव भरे हुए थे। परिजनों के इस व्यवहार से उनके मन को बहुत क्लेश पहुंचा। उन्होंने यह भी देखा कि वहां चतुर्दिक भगवान शंकरजी के प्रति तिरस्कार का भाव भरा हुआ है। दक्ष ने उनके प्रति कुछ अपमानजनक वचन भी कहे। यह सब देखकर सती का हृदय क्षोभ, ग्लानि और क्रोध से सन्तप्त हो उठा। उन्होंने सोचा भगवान शंकरजी की बात न मान, यहां आकर मैंने बहुत बड़ी गलती की है। वह अपने पति भगवान शंकर के इस अपमान को सह न सकी। उन्होंने अपने उस रूप को तत्क्षण वहीं योगाग्नि द्वारा जलाकर भस्म कर दिया। वज्रपात के समान इस दारूण-दुःखद घटना को सुनकर शंकरजी ने क्रुद्ध हो अपने गणों को भेजकर दक्ष के उस यज्ञ का पूर्णतः विध्वंस करा दिया। सती ने योगाग्नि द्वारा अपने शरीर को भस्म कर अगले जन्म में शैलराज हिमालय की पुत्री के रूप में जन्म लिया। इस बार वह 'शैलपुत्री' नाम से विख्यात हुई। पार्वती, हैमवती भी उन्हीं के नाम हैं। उपनिषद् की एक कथा के अनुसार इन्हीं के हैमवती स्वरूप से देवताओं का गर्व-भंजन किया था। 'शैलपुत्री' देवी का विवाह भी शंकरजी से ही हुआ। पूर्वजन्म की भांति इस जन्म में भी वह शिवजी की अर्द्धांगिनी बनीं। नव दुगाओं में प्रथम शैलपुत्री दुर्गा का महत्व और शक्तियां अनन्त हैं। नवरात्र पूजन में प्रथम दिवस इन्हीं की पूजा और उपासना की जाती है। इस प्रथम दिन की उपासना में योगी अपने मन को ह्यमूलाधारह्ल चक्र में स्थित करते हैं। यहीं से उनकी योगसाधना का प्रारम्भ होता है।